सर्व की स्नेही आदरणीय दादीजी प्रातः 10 बजकर 5 मिनट पर अपना पुराना शरीर त्याग बापदादा की गोद में चली गयी। दादी जानकी, दादी गुलजार तथा सभी बड़े मुख्य भाई बहनें दादीजी के सम्मुख थे।

ब्र. कु. निर्वैर

मधुबन